

## सतनामी वदिरोह

### परीलमिस के लयि:

सतनामी कौन थे?

### मेन्स के लयि:

वदिरोह क्योँ हुआ था, इसके परणाम और महत्त्व

## संदर्भ

1672 ई. में कसानों और मुगलों के बीच मथुरा के नकिट नारनौल नामक स्थान पर एक युद्ध हुआ जिसका नेतृत्व सतनामी नामक एक धार्मिक संप्रदाय ने किया था।

## कौन थे सतनामी?

- सतनामी संप्रदाय की स्थापना "बीरभान" नामक एक संत ने नारनौल में 1657 में की थी।
- सतनामी अधिकतर कसान, दस्तकार तथा नीची जातिके लोग थे।
- सत्य एवं ईश्वर में विश्वास रखने के कारण वे अपने को सतनामी पुकारते थे।
- सतनामियों को एकेश्वरवादी संप्रदाय कहा गया है।
- इनके धार्मिक ग्रंथ को पोथी कहा जाता था।
- सतनामी अपने संपूर्ण शरीर के बालों को मूँड़कर रखते थे। इसी कारण उन्हें मुंडिया भी कहा जाता था।

## वदिरोह के कारण

- सतनामी वदिरोह की शुरुआत एक सतनामी और मुगल सैनिकि अधिकारी के बीच झगड़े को लेकर हुई।
- वदिरोह तब भड़क उठा जब मुगल सैनिकि ने सतनामी को मार डाला।
- सतनामियों ने भी बदला लेने के लिये सैनिकि को मार डाला तथा बदले में और मुगल सैनिकों को भेजा गया।
- इस वदिरोह को तब कुचला जा सका जब औरंगजेब ने वदिरोह की कमान संभाली और सतनामियों को कुचलने के लिये तोपखाने के साथ 10,000 सैनिकों को भेजा।
- वदिरोह को दबाने में स्थानीय हनिदू ज़मींदारों (जनिमें अधिकतर राजपूत थे) ने मुगलों का साथ दिया था।

## स्रोत: डाउन टू अर्थ